

BEST SELLER



Financial Street



NCFM FUNDAMENTAL ANALYSIS MODULE MOCK TEST

2026 Edition



Why Financial Street

- 1 Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
- 2 Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
- 3 Easy to Study on Desktop/Mobile
- 4 Easy to Study Offline/Online
- 5 Clear Your Exam in Very First Attempt
- 6 Excellent Passing/Success Rate
- 7 Give Exam with High Confidence
- 8 Regularly Updated
- 9 Variety of Question & Answers
- 10 Join Free Demo

Testimonial

"The NCFM Fundamental Analysis mock test was the ideal practice aid for anyone wanting to pass the test. The questions were realistic and closely matched what I found on the actual test. It gave a clear insight into how to analyze companies and their financials. I strongly recommend this mock test to anyone studying for the NCFM test as it really helped me reinforce my knowledge."

*Vikram Singh (Chennai)
Investment Consultant*

Secured & Verified BY



instamojo



GoDaddy

Limited Time Offer



Buy NCFM Fundamental Analysis Mock Test



Get Free Stock Market Premium Course (Videos)

Save 12000/- Rs.

(No Hidden Fees)

OUR SUCCESS STORIES

कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक बढ़े मल्टीबैगर स्टॉक बन रहे निवेशकों की पहली पसंद



विकास शर्मा, सीईओ,
फार्नेशियाल स्ट्रीट

ग्यालियर. आप सभी ने राकेस झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम सुना होगा, जिन्हें बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने मल्टीबैगर स्टॉक में अपार सफलता पाई। कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक तेजी से बाजार में बढ़ रहे हैं, जिनका रुझान अब डे ट्रेडिंग से हटकर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ जा रहा है। मल्टीबैगर स्टॉक मतलब जो आपको लम्बी अवधि में बेहतर रिटर्न दे। उदाहरण के तौर पर किसी ने [REDACTED] में सन् 1980 में 10 हजार का निवेश किया होता तो 2017 में 452 करोड़ रुपए अर्न किए होते। इसी प्रकार किसी ने [REDACTED] में 2006 में 1 लाख का निवेश किया होता तो आज साढ़े 3 करोड़ अर्न किए होते। मल्टीबैगर स्टॉक में सफलता पाने के लिए निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करने वाली कंपनी को चुनें
निवेशकों को स्टॉक का चुनाव करने से पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल समझना चाहिए। वहीं फंडामेंटली अच्छी रिवेन्यू वाली कंपनी जिनका नेट प्रॉफिट और पीई/ईपीएस स्ट्रॉन्ग हो, उसका चुनाव करें। कोशिश करें कि कंपनी कर्ज मुक्त हो और अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करती हो। अगर डिविडेंड देती हो तो बहुत ही अच्छा है। टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल सही समय पर एंट्री के लिए करें। अच्छी रिस्क रेवाइड वाली कंपनी खरीदें और धैर्य बनाए रखें।

इन्वेस्टर-ट्रेडर बनकर करें स्टॉक मार्केट में फ्यूचर ब्राइट, बिजनेस के साथ जॉब के भी विकल्प



शे पर बाजार का फ्रेज लगाकर बड़ रहा है। ट्रेडिंग इंडस्ट्री के निवेश के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आज युवा से लेकर वरिष्ठ निवेशक तक स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में इंटरेस्ट दिखा रहे हैं। मकसद ट्रेडर व इन्वेस्टर बनने के लिए किसी प्रोफेशनल ट्रेडर की जरूरत नहीं होती, लेकिन फंडामेंटल स्ट्रेटजी, फंडामेंटल एनालिसिस और टेक्निकल एनालिसिस का बेसिक नॉलेज होना चाहिए। यदि आपके पास पैसा, फाइनेंस, अकाउंटिंग, एडमिनिस्ट्रेशन व इंडस्ट्री में रिके है तो बहुत अच्छा रहेगा। आज कच्ची संख्या में लोग इन्वेस्टर और ट्रेडर बन अपने करियर संवार रहे हैं।

एक नजर में

- प्रोफेशनल ट्रेडर की परामर्श की ज़रूरत होती है। कोलेज की डिग्री आवश्यक एक क्वालिफिकेशन है।
- पैरेंट्स का सपोर्टिव बर्ताव जरूरत है।
- बांध नपावलिग के नाम पर भी अकाउंट खोल जा सकता है।
- इन्वेस्टमेंट एडवाइजरों या किसी वरिष्ठ निवेशक के साथ में काम करने के लिए सर्टिफिकेट होना चाहिए।

एनालिटिकल रिस्क और रिसर्च जरूरी

इस फील्ड में अच्छी एनालिटिकल रिस्क, स्ट्रॉन्ग माइंड और रिसर्च विकल्प जरूरी है। इनके अलावा स्टॉक ट्रेडिंग प्रैक्टिस करनी और खेले की जानकारी होने के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री की जानकारी भी होनी चाहिए। मार्केट में अने वाले नए प्रोडक्ट्स, उनके अंतर-व्यतिरिक्त से जुड़ी सेक्टर जानकारी आवश्यक है। प्रेयर होना करना चाहिए। इस फील्ड में एक्सपर्ट बनने के लिए अच्छी कम्यूनिटी रिस्क रिस्क एडवाइजर और फंडामेंटल इंडस्ट्री की जानकारी संचयन दिख सकती है।

यहां भी मौके

- स्टॉक मार्केट में आप कई फील्ड पर काम कर सकते हैं। इनमें स्टॉक ब्रोकर, फाइनेंसियल एडवाइजर, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, फोर्टीफोर्मा मैनेजमेंट रिलीस, रिस्क एनालिसिस, ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग, फाइनेंसियल एनालिसिस, इन्वेस्टमेंट एनालिसिस, मार्केट रिसर्च, एक्जिक्यूटिव डिस्ट्रिब्यूटर, एडवाइजर, इन्वेस्टमेंट डिस्ट्रिब्यूटर एडवाइजर।

निवेश से पहले अच्छे से होमवर्क कर लें इन्वेस्टर

आप केयर फुल से निवेश करने हैं तो यहां से अच्छा रिटर्न पाना आसान नहीं है। अगर आपका इन्वेस्टमेंट सही जगह होता है तो मल्टीबैगर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। अगर इन्वेस्टमेंट का फसला जल्दबाजी में लिख जत है तो कई बार अच्छे रजिस्टर्ड रिटर्न के लिए लंबे समय के लिए इंतजार करना होता है। इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स इनका से बैचु इन्वेस्टिंग की एडवाइज देते हैं। उनकी सलाह होती है कि निवेशकों को निवेश से पहले अपना होमवर्क अच्छे से करना चाहिए।

विकास शर्मा, फार्नेशियाल स्ट्रीट के फाउंडर रिसर्च पर फोकस करें

एकजटिल एनालिटिकल के साथ अच्छी एनालिटिकल रिस्क, स्ट्रॉन्ग माइंड और रिसर्च रिस्क रिस्क होना चाहिए। स्टॉक ट्रेडिंग बिकल्प करनी और खेले की जानकारी के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री के बारे में ज्ञान होना जरूरी है। मार्केट के उतार-चढ़ाव और उससे होने वाले कार्यों के बारे में ज्ञान होना जरूरी है।

संजीव खत्री, सीनियर वेंचर पार्टनर फार्नेशियाल स्ट्रीट

अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें

एनएसई के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत लोग ऑप्शन ट्रेडिंग व डे ट्रेडिंग में नुकसान उठाते हैं। इसलिए लम्बी अवधि के लिए अच्छे स्टॉक पर निवेश करें। फर्जी यूट्यूब चैनल व टेलीग्राम चैनलों से बचें। अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें।

म्यूचुअल फंड एजेंट बनें, दूसरों को एडवाइज देने के साथ खुद की भी अच्छी अर्निंग करें

स मा के साथ म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट का सबसे एफेक्टिव तरीका बन जा रहा है। हालांकि, इसमें शामिल होने की प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए कठिन है। लोग अपने निवेश करने से डरते हैं। इसलिए उन्हें प्रोफेशनल एजेंटों की हिमायत चाहिए। उनके लिए म्यूचुअल फंड एजेंट से फायदा बनने अब जल्दबाजी में लोग इन एजेंटों को हाथ कर रहे हैं। यह डिस्टेंस अपने खले समय में और बढ़ेगा। यानी अपने युवाओं के लिए म्यूचुअल फंड एजेंट की मांग रहेगी। युवा अपने अपने करियर बन सकते हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से बढ़ा रोजगार का दायरा

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से इस क्षेत्र में रोजगार का दायरा बढ़ा है। एक म्यूचुअल फंड एजेंट जिसके पास डिपेंडेंसी और डेट सपोर्ट की अच्छी जानकारी है, उसकी मांग बहुत ज्यादा है। म्यूचुअल फंड एजेंट किसी भी युवाओं से अपने खले समय में किसी भी निवेश को संचालन की एक विमर्श और विविध रोजगार करत है। इनमें से कुछ निवेश, बिजनेस, उपहार विकास, निवेश, मानव संसाधन, लॉजिस्टिक्स और प्रबंधन स्तरों के अनुसंधान हैं।



अतिरिक्त इनकम का विकल्प हो सकता है आपके पास

यदि आप म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं तो आपके पास एक अतिरिक्त इनकम का विकल्प होगा। फुल टाइम या पार्ट टाइम भी कर सकते हैं। आप लोगों को जरूरत के अनुसार म्यूचुअल फंड बेचें और उससे कमिशन कमाने का एक विकल्प शुरू कर सकते हैं। आप ऑनलाइन वेबसाइट व बर्ताव बनकर घर बैठे ही काम कर सकते हैं।

तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहा म्यूचुअल फंड

देश में म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में अगर आप एक म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं और पूरी समझ और मेहनत से लोगों को सही म्यूचुअल फंड का चुनाव करने में उनकी मदद करते हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा करियर साबित हो सकता है। म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए आपको एनएचएसएस से सी-एफएफएन एजेंट क्वालिफाई करना होगा।

विकास शर्मा, फाउंडर, फार्नेशियाल स्ट्रीट



एजेंट बनने में पढ़ाई की कोई बाधा नहीं

म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए पढ़ाई की कोई बाधा नहीं है। यदि आप जराब 10वीं तक भी पढ़ें हैं तो एनएचएसएस के लिए रिजिटेशन कर सकते हैं। आपको पास मुख्य डिप्लोमा में फिन वार्ड और आगरा काई होना अनिवार्य है।

ये होता है वर्क

- निवेशकों को बाजार में उपलब्ध विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना।
- अपना क्वालिफाई उदाहरण की तुलना में निवेश के लिए म्यूचुअल फंड योजनाओं की जानकारी देना।
- निवेशकों को म्यूचुअल फंड खरीदने, रिविजिंग, रिडिस्ट्रिब्यूटिंग से संबंधित लेवने करने में मदद करना।
- निवेश के प्रदर्शन पर अप्रार निवेशकों का मार्गदर्शन करना।

QUES 1:- What do you focus on with fundamental analysis?

- A- Studying price patterns
- B- Analyzing past price action
- C- Assessing the financial status of a firm
- D- Searching for medium-term trading opportunities

Ans- C

Explanation: Fundamental analysis is the assessment of financial statements, management and market, etc to calculate a company's value.

QUES 2:- Which of the following is a key financial statement in fundamental analysis?

- A- Income Statement
- B- Balance Sheet
- C- Cash Flow Statement
- D- All of the above

Ans- D

Explanation: It's the process of analyzing all the major financial statements (the income statement, balance sheet, and cash flow statement) of a company and assessing its financial health.

QUES 3:- What is Price-to-Earnings (P/E) ratio?

- A- The overall value of a company's assets
- B- The earnings of a corporation
- C- The price that an investor pays for each Rupee earned
- D- The company's leverage (debt/equity ratio)

Ans- C

Explanation: The P/E ratio measures how much investors are willing to pay for a company's earnings; thus, comparing the market price with company's EPS can give an idea whether a company stock is shining or broken.

QUES 4:- What is the ratio used to evaluate a company's profitability?

- A- Current Ratio
- B- Return on Equity (ROE)
- C- Price-to-Book (P/B) ratio
- D- Debt-to-Equity ratio

Ans- B

Explanation: Return on equity is used to measure how well a company can generate profits from its shareholders' equity. ROE is an indicator of the profitability levels of the enterprise.

QUES 5:- What is the function of a balance sheet?

- A- To display a company's income and expenses over a period of time
- B- To present the company's assets, liabilities and shareholders' equity at a single moment in time
- C- To demonstrate a company's cash flow over a period of time
- D- To predict future earnings

Ans- B

Explanation: The balance sheet shows a company's financial standing, including what it owns (assets) or owes (liabilities) and the value of its shareholders' equity.

QUES 6:- What is it that the debt-to-equity ratio tells us?

- A- The earning capacity of a firm
- B- The company's capacity to settle their obligations based on its own equity
- C- The ability to generate revenues for the company
- D- The company's market value

Ans- B

Explanation: The debt-to-equity ratio provides insight into how a company funds its assets through debt versus equity, indicating its financial leverage and risk.

QUES 7:- Which of the following indicates a company's liquidity?

- A- P/E ratio
- B- Current ratio
- C- Price-to-Book ratio
- D- Dividend yield

Ans- B

Explanation: Current ratio explains a company's short term solvency by comparing its current assets against current liabilities. A higher ratio means better liquidity.

QUES 8:- What are earnings per share (EPS)?

- A- The total amount of money received by the company
- B- The company's earnings per share
- C- The sum of funds the business returns to stockholders in forms of dividends
- D- The profit margin of the company

Ans- B

Explanation: EPS stands for earnings per share, and credits a company's profit to each remaining share of common stock outstanding, helping to gauge how profitable a company is on a per-share basis.

QUES 9:- What does fundamental analysis try to achieve?

- A- The methodology of predicting near-term market direction
- B- The long time value of a company
- C- For following prices change in a short timeframe
- D- To find buy and sell signals using chart patterns

Ans- B

Explanation: The goal of fundamental analysis is to assess the intrinsic value and growth potential of a company, which aids long-term investing.

QUES 10:- One of the determinants of the intrinsic value of a company is:

- A- Dividend Yield
- B- Financial ratios
- C- Economic conditions
- D- All of the above

Ans- D

Explanation: Intrinsic value is the most widely used method and involves analyzing factors such as the financial health of the company, including its balance sheet, growth potential, market conditions, and other fundamental factors.

QUES 11:- What is the dividend yield?

- A- The return to shareholders via dividends offered by the company
- B- Annual summary of a company's revenue
- C- Total debt/Equity of the company
- D- Company revenue growth rate

Ans- A

Explanation: Dividend yield shows the annual dividend payment divided by the stock's market price, providing investors with an idea of how much return they can expect from dividends.

QUES 12:- What is the ratio used to measure how much in revenue a company's assets generate?

- A- Asset Turnover Ratio
- B- Return on Assets (ROA)
- C- Debt-to-Equity ratio
- D- Price-to-Earnings ratio

Ans- A

Explanation: This is the ratio that measures how efficiently a company uses its assets to generate sales and thereby reflects operational efficiency.

QUES 13:- Which of the following is NOT from fundamental analysis?

- A- The income statement of a company
- B- Studying chart patterns
- C- Assessing quality of management
- D- Assessing industry trends

Ans- B

Explanation: This is a technique based on technical analysis, not fundamental analysis. Fundamental analysis is about studying a company's financial health and the markets.

QUES 14:- What does a company's market capitalization mean?

- A- Its total stock value
- B- The company's total assets
- C- The company's annual profits
- D- The company's sum of liabilities

Ans- A

Explanation: Market capitalization, or market cap, is the total market value of a company's outstanding shares, calculated by multiplying the share price by the number of shares.

QUES 15:- What is the flourishing figure of "Price-to-Book" (P/B) ration?

- A- Price-to-book ratio: How much investors are willing to pay for every dollar of book value of a company
- B- What profit the firm earns for each dollar of assets
- C- The level of the debt in relation to the equity of the company
- D- The market price of the company's a stock

Ans- A

Explanation: The P/B ratio measures a company's market price per share vs. its book (recorded) value per share — and is used by value investors to measure if the stock is overpriced or underpriced.

QUES 16:- What does a company's cash flow statement tell you?

- A- It gives the Monitoring power with respect to Revenue on a timeline of the company.
- B- It displays the money coming in and going out, providing insight on cash flow
- C- It computes the ability of the company to make profit.
- D- It assesses the financial leverage of the company

Ans- B

Explanation: The cash flow statement outlines the company's cash receipts and payments during the reporting accounting period, which helps analysts, understand how well the company can generate cash that covers its short-term debt obligations and operational expenses.

QUES 17:- Which of the following shows a company's ability to manage its debt?

- A- Return on Assets (ROA)
- B- Debt-to-Equity ratio
- C- Dividend payout ratio
- D- Gross profit margin

Ans- B

Explanation: The debt-to-equity ratio is a measure of how much debt a company has relative to its equity, revealing how well it manages its debt.

QUES 18:- Which of the following measures used to evaluate a company's returns, in relation to its assets?

- A- Return on Equity (ROE)
- B- Return on Assets (ROA)
- C- Return on Investment (ROI)
- D- Price-to-Book ratio

Ans- B

Explanation: ROA indicates operational efficiency, as it measures a company's ability to generate profit from its assets.

QUES 19:- Examples of non-operating expenses on a company's income statement?

- A- Rent
- B- Interest payments on debt
- C- Cost of goods sold
- D- Salaries of employees

Ans- B

Explanation: Non-operating expenses are expenses not associated with the core operating activities of a business; they cover interest expenses paid on debt, for example.

QUES 20:- What is a high current ratio means?

- A- The company enjoys high profit
- B- The short-term liabilities are readily able to pay
- C- The company is too highly leveraged
- D- The company is under-performing

Ans- B

Explanation: A high current ratio (greater than 1) means a company has to pay more than its disposable cash in the short term, hence it is liquid.

QUES 21:- The Role of Industry Trends in Fundamental Analysis.

- A- Predicting stock price movements
- B- Company's market position and growth potential
- C- To assess a company's liquidity
- D- To analyze the company financial performance over the past

Ans- B

Explanation: Industry trends are key indicators in the business world and relevant for investors as they communicate the general landscape of a company, informing risk and potential growth.

QUES 22:- What is the Price to Sales (P/S) ratio?

- A- To find out how much investors are paying for each Rupee of revenue
- B- To assess a company's profitability
- C- To evaluate how much debt a company has
- D- For determining dividend distributions

Ans- A

Explanation: PS ratio tells in comparison to Profit be able to measure because this is calculated as Price to Sales to get valuation against sales.

QUES 23:- Which one of the following ratios is most useful in assessing a company's efficiency in managing its inventory?

- A- Inventory Turnover Ratio
- B- Return on Equity (ROE)
- C- Quick Ratio
- D- Dividend Payout Ratio

Ans- A

Explanation: The inventory turnover ratio is a measure used commonly to assess the operational efficiency of a firm, showing how many times a company's inventory is sold and replaced over a period.

QUES 24:- Which of the following is a market-based valuation multiple?

- A- Price earnings (P/E) ratio
- B- Return on Assets (ROA)
- C- Debt-to-Equity ratio
- D- Current Ratio

Ans- A

Explanation: The price-earnings (P/E) ratio is a market-value multiple that measures the relationship between the company's market price and the company's earnings per share.

QUES 25:- What does the PEG ratio factor into the interpretation of stock valuation?

- A- The return of the company
- B- The potential future earnings growth of the company
- C- The company's debt level
- D- The dividend yield of the company

Ans- B

Explanation: The PEG ratio is a variation of the P/E ratio – it's the P/E ratio divided by the company's projected earnings growth rate – it is used to help investors determine whether the stock is in line with its actual growth expectations.

QUES 26:- What does gross profit margin say about a company?

- A- The percentage of what is left from the revenue after deducting the cost of goods sold
- B- What the company made after subtracting all of its costs
- C- The company's borrowings compared to its equity
- D- Shareholder return on investment

Ans- A

Explanation: The gross profit margin measures how well a company is producing its products and the efficiency with which it sells them, revealing the percentage of revenue remaining after direct costs of production have been paid.

QUES 27:- A key economic indicator analyzed in fundamental analysis is:

- A- Consumer Price Index (CPI)
- B- Moving Averages
- C- RSI (Relative Strength Index)
- D- Bollinger Bands

Ans- A

Explanation: As an inflation measurement, the CPI is a significant economic indicator that represents the overall economic backdrop of a company where it does business.

QUES 28:- Which key financial ratio would an investor use to gauge how well a company is utilizing its equity to produce profits?

- A- Return on Equity (ROE)
- B- Dividend Yield
- C- Debt-to-Equity ratio
- D- Current Ratio

Ans- A

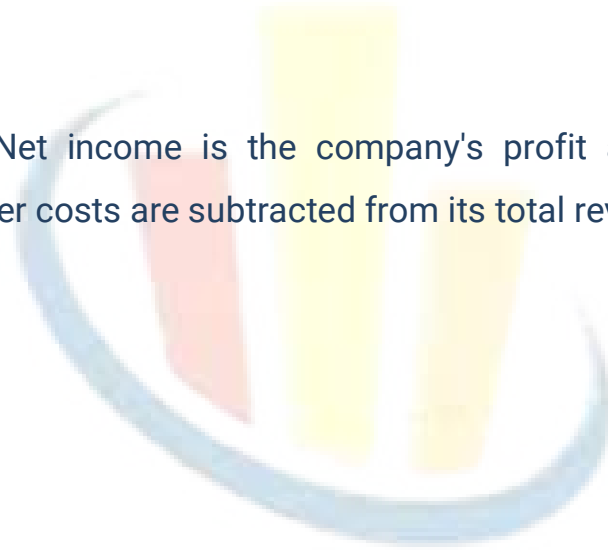
Explanation: ROE shows how efficient a company is at allocating its equity capital under management, which represents the effectiveness of management at generating profits.

QUES 29:- What does a company's "net income" mean?

- A- The overall revenue the company makes from sales
- B- The company's total assets
- C- The income remaining after all expenses, taxes, and costs are accounted for
- D- Money that the company pays out as dividends

Ans- C

Explanation: Net income is the company's profit after all expenses, taxes, and other costs are subtracted from its total revenue.



Financial Street



TIMES OF INDIA

Vikas Sharma
Founder
Financial Street



Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Buffett, we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. Atleast invest 10% in education of your investment.

HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

● **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.

● **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.

● **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in [REDACTED] in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.

तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

एक्सपर्ट स्टोरी



विकास शर्मा
फाउंडर
फाइनेशियल स्ट्रीट

आपने राकेश झुनझुनवाला और वारन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

मजबूत प्रबंधन- कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्सन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

प्रमोटर होल्डिंग- ऐसा स्टॉक ढूँढ़ें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

अच्छी कमाई- एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें : एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।

बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।



शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें



विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते हैं और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि व्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हे अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते हैं, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय-समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

शेयर मार्केट कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

डॉ. विवेक
vivek@vivek.com

भोपाल, बॉम्बे के दौर में जहां रोजगार देने वाले बड़े संस्था को हाथों-हाथों चलाया जाता था, वहीं शेयर मार्केट में उनके मुकाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। इसे देखते हुए भविष्य में इस सेक्टर में रैफ़रेंसिंग, मॉडर्न मार्केट एनलिसिस और कई जानकारी लेनी की जरूरत महसूस की जा रही है। इन क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए बड़े संस्थान हैं। कई संस्थानों में इसके अलावा-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बड़े कुशल भाव के प्रदर्शन के मद्देनजर कुछ अंश का स्थान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ऑप्शन का काम देख रहे संजय कुमार ने बताया, जहां बड़े निवेशक कॉर्पोरेट और वित्तीय संस्थाओं को निवेश में मदद में हैं। इसके अलावा बड़े जॉब के बड़े भी हैं। इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स को देखते हुए एक्सपर्ट, सीए, आईआईएमएल, इस ओर रुख कर रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंज से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य बना रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार की बात करें तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, जर्नालिस्ट, फाइनेंसियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनलिसिस के रूप में कुछ जगह हैं।

कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए कल रहे विभिन्न पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए अर्चना की जा सकती है। कुछ संस्थानों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक उत्तीर्ण अर्चना के लिए एक या दो वर्षों डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स हैं। केवल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित



प्रमुख संस्थान

- मुंबई स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग रैग्यूलेशन मुंबई
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट प्रैक्टिसमेंट्स, नई दिल्ली
- इंडोब्रॉड इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- कोलंबो इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नासिक
- यूनि विश्वविद्यालय, पुणे
- जेएनएफएलएफ, हैदराबाद

शेयर मार्केट के फील्ड में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील्ड हैं। हर एक में वेस्टर्न कैरियर बनाना आसान है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ बचत और इसमें कई हिस्से हैं। बाजार में प्रवेश करने की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए साहसिकता के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में काफी स्कोप है।

आर्थिक मन्त्रालय, बैंक ऑफ़ इंडिया, एनएसई

विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में बड़े तरह के कैरियर के अवसर मौजूद हैं। इकोनॉमिस्ट, अकाउंटेंट, फाइनेंसियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, कैपिटल मार्केट एनालिस्ट, प्रमुख पदों हैं।



विश्लेषण करने वालों की जरूरत है, वही परिणाम बाजार में सफलता के लिए जरूरी है। विकास शर्मा, ग्राहक



समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहां लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान हैं। इसमें समझदारी से रुपये का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की



विकास शर्मा,

दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों

को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल हैं। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है

करियर कोरोना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इश्योरेंस सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

एक नजर में

- इश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल रिकल्स और सेलिंग रिकल्स वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।
- आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इश्योरेंस सेक्टर भावी करियर के तौर पर देखा जा रहा है।
- पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इन्स्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इश्योरेंस में बेहतरीन कोर्सिंग ऑफर करते हैं।
- बिरला स्कूल्स और आईसीएफएआई जैसे इन्स्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स को लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सिंग ऑफर करते हैं।

युवाओं के लिए ऐसा करियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोरोना के बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ



इश्योरेंस, हेल्थ इश्योरेंस और जनरल इश्योरेंस के लिए आइसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सैलरी, इन्सेटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा करियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बढ़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

इस समय देश में बूम पर है इश्योरेंस सेक्टर

इश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोरोना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा



यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिक्रूटमेंट डबलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

कोरोना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

मैं पिछले 25 साल से इश्योरेंस एजेंट हूँ और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूँ इश्योरेंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प है जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी है और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंता करने के लिए सजग भी करते हैं। कोरोना के बाद से लोगों में इश्योरेंस को लेकर काफी जागरूकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआईसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

day special नेशनल इश्योरेंस अवेयरनेस डे कोरोना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी



इश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्वोर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इश्योरेंस और हेल्थ इश्योरेंस को तो वेटेज देते हैं, लेकिन जनरल इश्योरेंस को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि यह भी बहुत जरूरी है। इश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोरोना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंटेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोरोना के



बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी

हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इश्योरेंस की तरह जनरल इश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्यूशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिनुअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

भविष्य के लिए प्री प्लान करें इश्योरेंस

इश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर



हर चीज मिल सकती है, लेकिन इश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान करना होगा। इश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पोर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

We Offer Mock Test Series



Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: contact.fstreet@gmail.com

Web: <https://www.financialstreet.in/>

Call: (91)-6264537290

About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Financial Analyst & Having more than 15 years' Experience in Financial Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

“THANK YOU”

